1 ग्राम्य जीवन

पाठ-योजना

कविता का नाम	**ग्राम्य जीवन**
कालांश संख्या	4 से 6
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
कविता का उद्देश्य	• ग्रामीणों के मेहनती स्वरूप से परिचित कराना। • ग्रामवासियों की भाँति सरल बनने की सीख देना। • गाँव के स्वरुप की सच्ची तसवीर दिखाना। • गाँव की सुंदरता दिखाना। • कविता का भावानुसार वाचन सिखाना। • विसर्ग, पर्यायवाची, संयुक्त व्यंजन, विलोम, लिंग आदि व्याकरणिक कोटियों के ज्ञान को प्रसारित कराना • विभिन्न विषय संवर्धन गतिविधियों के द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करना
कविता में आनेवाले विषय	विसर्ग, संयुक्त व्यंजन, पर्यायवाची, विलोम, कविता-वाचन, सूची-निर्माण, शैक्षिक भ्रमण, अनुभव-लेखन, पी.पी.टी. निर्माण
शिक्षण सामग्री	Smart Board और एनीमेशन, पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), कॉपियाँ, पेंसिल आदि।
मानक/अमानक शब्द	आडंबर/आडम्बर, यद्यपि/यद्यपि, द्वेष/द्वेष, मिट्टी/मिट्टी, नंदन/नन्दन, संबंधी/सम्बन्धी
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	• कविता के शीर्षक और चित्रों पर बच्चों से चर्चा करने को कहें कविता के शीर्षक से क्या पता चलता है? चित्रों में क्या दिखाया गया है? इससे कविता के बारे में क्या पता चल रहा है? गाँव के लोग कैसे होते हैं? आदि। • बच्चों से गाँव और शहरों की जीवन शैली के बारे में पूछें। • ग्रामीणों की सरल और मेहनती प्रवृत्ति के विषय में चर्चा करने दें। अब Smart Board पर कविता का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। • छोटे-छोटे समूह बनाकर बच्चों से कविता का भावानुसार वाचन करवाएँ। • वाचन के समय कठिन शब्दों को Board पर लिखें। उनका सही उच्चारण और अर्थ बताएँ तथा विशिष्ट प्रयोग से छात्रों को अवगत कराएँ। कविता का सरल अर्थ बताएँ तथा उसके मूल भाव से छात्रों को अवगत कराएँ। • कविता में बताई बातों पर छात्रों को चर्चा करने दें, फिर बताएँ।
मध्य कौशल— लेखन, वाचन	• माइंड मैप द्वारा कविता की पुनरावृत्ति करवाएँ। • 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ। श्रुतलेख भी करवा सकते हैं। बच्चे एक-दूसरे के लिखे गए शब्दों की वर्तनी जाँचें। • 'बताइए' और 'सोचिए' के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें। बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत प्रश्न 1, 2 और 'व्याकरण संबोध' में दिए प्रश्नों को पुस्तक में ही हल करवाएँ। प्रश्न 3, 4 पर कक्षा में चर्चा करें और कॉपी में हल लिखवाएँ। • विषय संवर्धन गतिविधियों के अंतर्गत छात्रों के समूह बनवाएँ। प्रत्येक समूह अपनी इच्छानुसार गतिविधि का चुनाव करे और कक्षा में प्रस्तुत करे। • 'क्या होता यदि' शीर्षक के अंतर्गत दी गई स्थिति पर सामूहिक चर्चा करवाएँ और मुख्य बिंदुओं को कॉपी में नोट करने को कहें।

Scanned with OKEN Scanner

अभ्यास

पढ़िए

1. **मानक वर्तनी एवं वाचन (उच्चारण)**
   दिए गए शब्दों की शुद्ध वर्तनी कक्षा में बोर्ड पर लिखवाएँ या कॉपी में लिखने को कहें। शब्दों का कक्षा में शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

2. **बताइए**

   क. पहले पद में ग्राम्य जीवन की क्या-क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?

   उ. पहले पद में कवि ने ग्राम्य जीवन को शहरी जीवन से श्रेष्ठ माना है क्योंकि यहाँ थोड़े में निर्वाह संभव है। यहाँ छल-कपट, आडंबर और अनाचार नहीं है।

   ख. अतिथि का सत्कार कैसे किया जाता है?

   उ. जब भी गाँववालों के यहाँ कोई अतिथि आता है, तो वह सहर्ष आदर-सत्कार पाता है। गाँववाले उन्हें आदर-सम्मान देकर अपने किसी सगे-संबंधी की तरह ही उसे खुश कर देते हैं।

   ग. इस कविता को लिखने का कारण क्या हो सकता है?

   उ. इस कविता द्वारा कवि ग्रामीण जीवन, वनस्पति और आतिथ्य से परिचित करवाना चाहते हैं। हमारे मन में सौंदर्य-बोध का भाव जगाना चाहते हैं। भारतीय संस्कृति का परिचय और ग्रामीण जीवन की सरलता के बारे में बताना चाहते हैं।

सोचिए (गहन चिंतन, मूल्य परक प्रश्न)

आप ग्राम्य जीवन और शहरी जीवन में क्या अंतर पाते हैं? आप किसे श्रेष्ठ मानेंगे और क्यों?

ग्राम्य-जीवन में सरलता से निर्वाह होता है। गाँव जैसी प्राकृतिक सुंदरता शहरों में नहीं होती। यहाँ कोई दाँव-पेंच और छल-कपट नहीं है। यहाँ आडंबर और अनाचार नहीं है। शहरी लोगों से विपरीत ग्रामीण सीधे-सादे होते हैं। उनमें एक-दूसरे के प्रति ममता और समता होती है।उनका तन श्यामल किंतु मन उज्ज्वल होता है। मैं ग्राम्य-जीवन को शहरी जीवन से श्रेष्ठ मानता हूँ।

Scanned with OKEN Scanner

लिखिए

1. सही विकल्प पर ✓ का निशान लगाइए—

वे तन से काले क्यों हैं? iv. चारों सही हैं

2. पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर छाँटिए और लिखिए—

छोटे-से मिट्टी के .... और जल-घट हैं।

क. जल-घट कहाँ रखे हैं? i. आँगन के किनारे पर ✓

ख. आँगन-तट कैसे हैं? iii. गोपद-चिह्नित ✓

ग. जल-घट का अर्थ क्या है? iii. जल के घड़े ✓

घ. गाँव के घर कैसे हैं?

उ. गाँव के मिट्टी के घर लिपे-पुते, स्वच्छ और सुंदर हैं।

ङ. पद्यांश में से अस्वच्छ का विलोम शब्द चुनकर लिखिए।

उ. स्वच्छ

3. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

क. किन लोगों में आडंबर और अनाचार नहीं होता?

उ. गाँव के लोगों में आडंबर और अनाचार नहीं होता है।

ख. कवि ने नंदन-विपिन को किस पर न्योछावर किया है?

उ. कवि ने नंदन-विपिन को शाम के समय गाँव के वातावरण पर न्योछावर किया है।

ग. हवा को किससे बढ़कर माना है और क्यों?

उ. हवा को डॉक्टरी औषधि से बढ़कर माना है। क्योंकि गाँव की हवा इतनी स्वच्छ और शीतल होती है कि लोग बीमार ही नहीं होते। साथ ही बीमार लोगों को भी वह स्वस्थ कर देती है।

4. विस्तार से उत्तर लिखिए—

क. गाँववालों का स्वभाव कैसा होता है? अपने शब्दों में लिखिए।

उ. गाँववालों का स्वभाव बड़ा ही सरल और सीधा-सादा होता है। उनमें कोई भी छल-कपट नहीं होता है। उनमें अन्य के प्रति ममता और समता होती है। उनके मन में किसी प्रकार का मैल या दुराभाव नहीं होता है। उन्हें केवल अपना और अपने ईश्वर पर ही विश्वास होता है। इस प्रकार उनका हृदय सरल और बड़ा होता है।

ख. 'श्रम-सहिष्णु सब जन होते हैं'— भाव स्पष्ट कीजिए।

उ. 'श्रम-सहिष्णु सब जन होते हैं'— अर्थात गाँव के लोग अथक परिश्रम करते हैं। वे काम से जी नहीं चुराते हैं। हमेशा मेहनत करने के लिए आगे रहते हैं। वे अपने खेतों में दिन-रात काम करते रहते हैं। उनमें लेशमात्र आलस नहीं होता।

ग. खपरैल क्या होती है? कवि ने इसका उल्लेख क्यों किया है?

उ. खपरैल मिट्टी के बने टुकड़े होते हैं जो कच्चे घरों के ऊपर छाए जाते हैं। ये घर के भीतर बारिश के पानी को आने से रोकते हैं। गाँवों में खपरैल पर लौकी-कद्दू की बेलें चढ़ा दी जाती हैं, यही बताने के लिए कवि ने इसका उल्लेख किया है।

घ. गाँवों के आँगन तट कैसे होते हैं? पता करके लिखिए।

उ. गाँवों के आँगन के किनारों पर गाय के खुरों के निशान बने होते हैं। आँगन में एक ओर पानी से भरे घड़े रखे होते हैं।

भाव स्पष्ट कीजिए—

क. एक-दूसरे की ममता है, सबमें प्रेममयी समता है।

उ. गाँवों के लोग सबके प्रति ममता और अपनापन के भाव रखते हैं। उनमें आपसी प्रेममयी समानता है। वे जाति-धर्म, ऊँच-नीच से दूर होते हैं। उनमें आपसी प्रेमभाव और भाईचारा आज भी मिलता है।

Scanned with OKEN Scanner

ख. अपना और ईश्वर का बल है, अंत:करण अतीव सरल है।

उ. गाँवों के लोग कर्मठ होते हैं। वे अपने कर्म पर विश्वास रखते हैं। वे ईश्वर पर आस्था रखते हैं और यही उनको बल देता है। उन्हें केवल अपना और अपने ईश्वर पर ही विश्वास होता है। उनके मन में किसी प्रकार का मैल या दुराभाव नहीं होता है। उनका हृदय सरल होता है।

Scanned with OKEN Scanner

3 अक्लमंद बिल्ली

पाठ-योजना

पाठ का नाम	**अक्लमंद बिल्ली**
कालांश संख्या	4 से 8
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
पाठ का उद्देश्य	• अवसर का सही समय पर लाभ उठाना चाहिए—यह बताना। • विवेक और तर्कपूर्ण सोच रखने की सीख देना • तुरंत निर्णय लेने की सीख देना • पाठ का भावानुसार वाचन सिखाना • कठिन शब्दों का सही उच्चारण और अर्थ बताना • मुहावरे के प्रयोग संबंधी नियमों की जानकारी देना • सृजनात्मक क्षमता का विकास करना
पाठ में आने वाले विषय	शब्द-युग्म, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, लिंग, संज्ञा, मुहावरे कहानी-लेखन, अनुच्छेद-लेखन, संवाद-लेखन
शिक्षण सामग्री	Smart Board and Animation, टेस्ट जेनरेटर, पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), कॉपियाँ, पेंसिल, आदि।
मानक/अमानक शब्द	गिद्ध/गिद्ध, गंभीर/गम्भीर, मुंडी/मुण्डी, हड्डी/हड्डी, संकट/सङ्कट, पत्तों/पत्तों
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	• बच्चों से कहानी के शीर्षक और चित्र पर चर्चा करवाएँ— पाठ के शीर्षक से विषयवस्तु के बारे में क्या पता चलता है? चित्र के अनुसार कहानी के पात्र कौन-कौन हो सकते हैं? बिल्ली पत्तों में क्यों छुपी होगी? नेवला बिल्ली को क्यों देख रहा होगा आदि। • बच्चों से किसी ऐसी घटना बताने के लिए कहें, जो उनकी अक्लमंदी को दर्शाती हो। • पाठ का सार बताएँ। • Smart Board के द्वारा पाठ का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। • कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बाँटकर पाठ का वाचन करवाएँ। एकाग्रता व रुचि बनाए रखने के लिए छोटे-छोटे प्रश्न पूछते रहें। • कठिन शब्दों के उच्चारण, अर्थ एवं विशिष्ट प्रयोग से छात्रों को अवगत कराएँ। • पाठ में आए मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग करवाएँ। • पाठ की प्रासंगिकता के बारे में बच्चों को चर्चा करने दें। उनके विचार जानें और अपने भी विचार रखें।
मध्य कौशल— लेखन, वाचन	• माइंड मैप द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ। • 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ। श्रुतलेख भी करवा सकते हैं। बच्चे एक-दूसरे के लिखे गए शब्दों की वर्तनी जाँचें। • 'बताइए' और 'सोचिए' के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें। बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्न 1 तथा 'व्याकरण संबोध' के अंतर्गत आए प्रश्नों का हल पुस्तक में ही करवाएँ। • प्रश्न 2 तथा 3 पर कक्षा में चर्चा करें और कॉपी में हल लिखवाएँ। • विषय संवर्धन गतिविधियों के अंतर्गत छात्रों के समूह बनवाइए। प्रत्येक समूह अपनी इच्छानुसार गतिविधि का चुनाव करे और कक्षा में प्रस्तुत करे। गतिविधि 6 की कहानी Scan करके सुनवाएँ और छात्रों से अपने शब्दों में लिखने को कहें। • 'क्या होता यदि' शीर्षक के अंतर्गत दी गई स्थिति पर सामूहिक चर्चा करवाएँ और मुख्य बिंदुओं को कॉपी में नोट करने को कहें।

Scanned with OKEN Scanner

अभ्यास

पढ़िए

1. **मानक वर्तनी एवं वाचन (उच्चारण)**
   दिए गए शब्दों की शुद्ध वर्तनी कक्षा में बोर्ड पर लिखवाएँ या कॉपी में लिखने को कहें। शब्दों का कक्षा में शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

2. **बताइए**

क. बिल्ली को खाने के लिए कहाँ से क्या मिला?

उ. बिल्ली को किसी के घर से खाने के लिए रोहू मछली की एक मुंडी मिल गई थी।

ख. मुंडी मिलने पर बिल्ली ने क्या सोचा?

उ. बिल्ली ने सोचा—इतनी बड़ी मुंडी मिलना तो भाग्य की बात है।

ग. नेवले को देख बिल्ली ने क्या बहाना बनाया?

उ. नेवले को देखकर बिल्ली ने बहाना बनाया कि यह मछली की मुंडी एक जादू की मुंडी है। जिसने जादू के बल से उसे पेड़ के ऊपर घसीटा है और यहाँ बैठा रखा है। इसके जादू के प्रभाव से उसके अंग बेजान हो गए हैं।

घ. बिल्ली के भोजन को हड़पने के लिए कौन-कौन आए?

उ. बिल्ली के भोजन को हड़पने के लिए नेवला, गिद्ध और बाज़ आए।

Scanned with OKEN Scanner

लिखिए

1. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

गिद्ध छोड़नेवाला ..... गिराती थी।

क. कौन छोड़ने वाला नहीं था?

ख. कौन पत्थर की मूर्ति बना बैठा था?

ग. नेवले ने मुंडी को क्या कहा?

घ. नेवले के अनुसार बिल्ली पेड़ पर कैसे पहुँची थी?

उ. नेवले के अनुसार जादुई मुंडी ने जादू-मंतर करके बिल्ली को पेड़ पर खींचा था।

ङ बिल्ली पत्थर की मूर्ति जैसी क्यों लग रही थी?

उ. बिल्ली ज़रा-सा भी हिल-डुल नहीं रही थी। पलकें भी नहीं झपकाती थी इसलिए वह पत्थर की मूर्ति जैसी लग रही थी।

ii. गिद्ध ✓

iii. बिल्ली ✓

i. जादुई ✓

2. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

क. बिल्ली का मन मछली की मुंडी तोड़ने को क्यों नहीं कर रहा था?

उ. बिल्ली का मन मछली की मुंडी को तोड़ने को नहीं कर रहा था क्योंकि वह नदी की ताज़ा मछली थी जिसकी खुशबू उसे भा रही थी।

ख. नेवला मुंडी को खाने की जगह उसे क्यों ताकता रहा?

उ. बिल्ली ने नेवले को इतना डरा दिया कि वह चाहते हुए भी उसे नहीं खा सका। बिल्ली ने कहा कि यह जादू की मुंडी है और इसने मुझे निकम्मा बना दिया है। यह सुनकर नेवला उसे ताकता रह गया।

ग. बिल्ली ने नेवले, बाज़ और गिद्ध को क्या विश्वास दिलाया?

उ. बिल्ली ने नेवले, बाज़ और गिद्ध को विश्वास दिलाया कि अब यह जादुई मछली की मुंडी एक राक्षस बनेगी और उन सबको मार देगी।

3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

क. बिल्ली ने मछली तुरंत क्यों नहीं खाई? उसने क्या-क्या सोचा?

उ. बिल्ली ने मछली की मुंडी को सामने रखकर गौर से निहारा और सोचा कि यह बहुत सुंदर है। इसे एक ही रोज़ में क्यों खाया जाए। थोड़ा-थोड़ा करके तीन रोज़ में खाया जा सकता है। इस तरह एक मछली का स्वाद तीन रोज़ तक लिया जा सकता है।

Scanned with OKEN Scanner

ख. गिद्ध ने बिल्ली और नेवले को बेवकूफ़ क्यों कहा?

उ. मछली की मुंडी देखकर गिद्ध के मुँह में भी पानी आ गया था। उसने बिल्ली और नेवले जैसे मांसाहारी जानवरों को मुंडी को ताकते देख उन्हें बेवकूफ़ कहा। गिद्ध के अनुसार उन्हें अब तक मुंडी को खा लेना चाहिए था।

ग. अपने ऊपर जादू का असर दिखाने के लिए बिल्ली ने कैसा अभिनय किया?

उ. अपने ऊपर जादू का असर दिखाने के लिए बिल्ली चुपचाप बैठी रही। न पलकें डुलाती थी और न कोई अंग हिलाती थी। वह बिलकुल पत्थर की मूर्ति की तरह निर्जीव बनकर बैठी रही।

घ. नेवले, बाज़ और गिद्ध को भगाने के लिए बिल्ली ने क्या कहा?

उ. नेवले, बाज और गिद्ध को भगाने के लिए बिल्ली ने कहा, "भाइयो, अब यह मछली की मुंडी एक राक्षस बनेगी। उसकी आँखों में राक्षस की शक्ल दिखाई दे रही है। उसके दोनों हाथों में दो तलवारें हैं। तलवारें उठाकर वह कह रहा है कि वह हमारा वध करेगा। आप लोग यहाँ रहेंगे तो अवश्य मर जाएँगे। अगर ज़िंदा रहना चाहते हैं तो यहाँ से फ़ौरन भाग जाइए।"

ङ. इस कहानी से क्या सीख मिलती है?

उ. इस कहानी से सीख मिलती है कि हमें मिले हुए अवसर का उसी समय भरपूर उपयोग यह सोचकर कर लेना चाहिए कि यह अवसर सबसे उत्तम है। यह कहानी बुद्धि चातुर्य को भी दर्शाती है कि यदि बुद्धि का उपयोग सही समय किया जाए तो समस्याओं से पार पाया जा सकता है। अति उत्तम की प्रतीक्षा करने से हम जीवन में नई मुसीबतों को ही आमंत्रित करते हैं। हमें जीवन में किसी की बातों पर प्रथम दृष्टि में ही विश्वास नहीं कर लेना चाहिए। विश्वास को तर्क के तराजू पर तौल लेना चाहिए। बिना परिश्रम किए अच्छे परिणाम की अपेक्षा हमें मुसीबत में डाल सकती है।

च. जिस मछली को खाने के लिए बिल्ली इतना सोच रही थी, उसे अंत में एकदम पूरा खा गई। क्यों?

उ. जिस मछली को खाने के लिए बिल्ली इतना सोच रही थी, उसे अंत में एकदम पूरा ही खा गई क्योंकि वह समझ गई कि अवसर का लाभ उसी समय उठा लेना चाहिए। देर करने पर अवसर हाथ से निकलकर किसी और के सुख का कारण बन सकता है। बाद में पछतावे के सिवा और कुछ नहीं मिलने वाला है।

आशय स्पष्ट कीजिए—

क. तीन दिन का रईसी खाना था।

उ. बिल्ली को संयोग से रोहू मछली की बड़ी-सी मुंडी मिल गई थी। जिसे वह तीन दिन तक आराम से खा सकती थी। इस तरह यह निश्चित हो गया था कि उसे तीन दिन तक स्वादिष्ट खाना ढूँढ़ना नहीं पड़ेगा। इसलिए उसने मुंडी को रईसी खाना कहा।

ख. तुम जाओ, मेरी बहन को भेज दो। उसके सहारे मैं चल दूँगी।

उ. चालाक बिल्ली द्वारा नेवले को वहाँ से भगाने के लिए यह बहाना बनाया गया था जिससे वह सुकून के साथ मछली को खा सके।

समझिए व्याकरण संबोध

1. शब्द-युग्म—प्रत्येक का एक-एक उदाहरण स्वयं लिखिए—

"खाते-पीते, अच्छा-बुरा, खान-पान, पानी-वानी, चलते-चलते।"

2. नीचे लिखे शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए—

गिद्ध	—	"मादा गिद्ध"	मच्छर	—	"मादा मच्छर"	कोयल	—	"नर कोयल"
मछली	—	"नर मछली"	मक्खी	—	"नर मक्खी"	कौआ	—	"मादा कौआ"
खरगोश	—	"मादा खरगोश"	मैना	—	"नर मैना"	कछुआ	—	"मादा कछुआ"

Scanned with OKEN Scanner